Nai Dunia (Indore), 14th March 2022, Page – 01

आइआइटी इंदौर में हो रही हरियाली की 'इंजीनियरिंग'

गजेंद्र विश्वकर्मा • इंदौर

पर्यावरण की चिंता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में लगातार विकास कार्य जारी, हर वर्ष रोपे जा रहे एक हजार से ज्यादा पौधे

500 एकड़ परिसर में 70% क्षेत्र को हराभरा करने की तैयारी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर अब हरियाली की इंजीनियरिंग भी कर रहा है। 500 एकड़ परिसर को हरा-भरा करने के लिए ऐसी योजना बनाई गई है, जिसमें 70 प्रतिशत क्षेत्र हरियाली से आच्छादित रहेगा। 30 प्रतिशत क्षेत्र में इमारत और अन्य संसाधन जुटाए जा रहे हैं।

आइआइटी इंदौर परिसर में इस समय तेजी से विकास कार्य जारी हैं। संस्थान का उद्देश्य है कि देश के अन्य आइआइटी के मुकाबले इंदौर परिसर सबसे खूबसूरत हो। इसके लिए देश-विदेश के आर्किटेक्ट और इंटीरियर डिजाइनरों की भी सहायता ली जा रही है। परिसर में प्रवेश करने पर करीब डेढ़ किलोमीटर के क्षेत्र में एक भी भवन नहीं है। परिसर के बीच में पहुंचने पर भी चारों ओर हरियाली नजर आएगी।

आइआइटी इंदौर का हरियाली से भरा कैंपस। • सौ. संस्थान

एक के बदले लगा रहे दस पौधे

विकास कार्यों में पेड़ों को नुकसान नहीं पहुंचे, इसका ध्यान रखा जा रहा है। जहां पेड़ काटना काफी जरूरी होता है, वहां एक के बदले दस पौधे रोपे जा रहे हैं। पेड़-पौधों और गार्डन में पानी देने में भी ध्यान रखा जा रहा है कि पानी की बर्बादी न हो।

> संस्थान द्वारा हर साल एक हजार से ज्यादा पौधे रोपे जा रहे हैं। कुछ वर्षों में विकास पूर्ण होने के बाद परिसर मनमोहक होगा। आने वाले वर्षों में देश के टाप आइआइटी में इंदौर परिसर सबसे बेहतर हो सकेगा। -**सुनील कुमार**, जनसंपर्क अधिकारी, आइआइटी इंदौर